Dr. S. S. Pandey

TOPICS

भारत में नगर की परिभाषा

Definition of city in India

भारत में नगर की परिभाषा

जनगणना 1961 के तत्पश्चात्, जनगणना 1971 के अनुसार–

- वह स्थान जो नगर निगम (Muncipal Corporation) या नगरपालिका (Muncipalty) या अधिसूचित नगरीय क्षेत्र (Notified Urban Area) या छावनी बोर्ड के अधीन हो।

अथवा

- वह स्थान जिनमें निम्न विशेषताएँ विद्यमान हो–
  1. जिसकी आबादी 5000 से अधिक हो
  2. 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर जनघनत्व हो
  3. 75% आबादी गैर कृषि कार्य में संलग्न हो
  4. जो उच्च नगरीय सुविधाओं या नगरीय सुविधा से युक्त हो

इसी को नगरीय क्षेत्र (Urban Area) कहा जाता है।

भारत में नगर का वर्गीकरण

Classification of Cities in India

भारत में नगर का वर्गीकरण

- गाँव / बस्ती – 5000 से कम जनसंख्या
- कस्बा – एक लाख से कम तथा 5000 या उससे अधिक जनसंख्या
- शहर/नगर – एक लाख एवं उससे अधिक तथा 10 लाख से कम जनसंख्या
- महानगर – 10 लाख या उससे अधिक जनसंख्या तथा 1 करोड़ से कम जनसंख्या।
- मेगा नगर – 1 करोड़ या अधिक जनसंख्या

NOTE :

- UN World City Report - 2016 में भारत में 5 Mega City को चिह्नित किया गया है–

  1. मुम्बई, 2. दिल्ली, 3. कोलकाता, 4. बंगलौर, 5. चेन्नई

- 2030 तक, 2 और Mega City के विकास का अनुमान लगाया गया है–

  1. हैदराबाद, 2. अहमदाबाद

Dr. S. S. Pandey

TOPIC

नगरीय समाज एवं नगरीकरण

Urban Society and Urbanization

नगरीय समाज एवं नगरीकरण का अर्थ एवं लक्षण

- नगरीय समाज का अर्थ
- नगरीय समाज का लक्षण
- नगरीकरण का अर्थ

नगरीय समाज का अर्थ

Meaning of Urban Society

वह समाज जो नगर की विशेषता से युक्त होता है तथा नगरीय जीवन शैली (Urban Lifestyle) को जीता है, उसे नगरीय समाज (Urban Society) कहा जाता है।

नगरीय समाज का लक्षण

Characteristics of Urban Society

1. जनसंख्या का वृहद् आकार एवं अधिक जनघनत्व
2. मुख्यतः गैर कृषि कार्य में संलग्न
3. मुख्यतः औद्योगिक अर्थव्यवस्था, जटिल श्रम विभाजन व विशेषीकरण एवं पारस्परिक निर्भरता, विषमरूपता एवं जीवन की उच्च गुणवत्ता
4. आधुनिक शिक्षा एवं तार्किकता की प्रधानता, अपरिचितता, व्यक्तिवादिता, औपचारिक एवं द्वितीयक संबंधों की प्रधानता
5. एकाकीपन, दिखावा एवं चमक-दमक, तीव्र प्रतिस्पर्द्धा, औपचरिक सामाजिक नियंत्रण की प्रधानता

नगरीकरण का अर्थ

Meaning of Urbanization

एक ऐसी प्रक्रिया, जहाँ कोई ग्रामीण जनसंख्या, नगरीय विशेषताओं को ग्रहण करती है या नगरीय जनसंख्या में ग्रामीण जनसंख्या के अनुपात में वृद्धि होती है या नगरीय क्षेत्र का परिधि विस्तार के साथ-साथ नगरीय जीवन शैली का भी फैलाव होता है– नगरीकरण (Urbanization) कहलाता है।

Dr. S. S. Pandey

भारत में नगरीकरण

Urbanization in India

भारत में नगरीकरण

- अर्थ एवं स्वरूप
- लक्षण
- सामाजिक प्रभाव
- समस्याएँ
- समस्याओं का कारण
- समाधान हेतु किए गए प्रयास

भारत में नगरीकरण स्वरूप

Urbanization Pattern in India

अंग्रेजी शासन काल में आधुनिक संदर्भ में नगरीकरण (मुख्यतः आधुनिक एवं पश्चिमी संस्कृति के रूप में) प्रारंभ

1. बंदरगाह नगर– कोलकाता
2. सैनिक केन्द्र के रूप में नगर– मेरठ, आगरा
3. शैक्षिक केन्द्र के रूप में नगर– अलीगढ़, बनारस
4. औद्योगिक नगर– टाटा नगर

भारत में नगरीकरण के लक्षण

Characteristics of Urbanization in India

1. मुख्यतः औद्योगिक (Industrial) नगरों का विकास, साथ ही प्रशासनिक केन्द्र (Administrative Center) के रूप में नगरों का विकास
2. आधुनिक एवं पश्चिमी जीवन शैली (Modern and Western Lifestyle) की विद्यमानता वाले नगरों का विकास
3. 1 लाख एवं 10 लाख जनसंख्या वाले नगरों का तीव्र विकास
4. अति नगरीकरण (Over Urbanization) के रूप में नगरों का विकास
5. मुख्यतः ग्रामीण-नगरीय प्रवास (Rural-Urban Migration) के द्वारा नगरीय जनसंख्या में वृद्धि (जबकि विश्व नगरीकरण का 60% स्वाभाविक जनसंख्या वृद्धि के कारण)

6. विभिन्न राज्यों में नगरीकरण / नगरीय जनसंख्या का असमान वितरण (जैसे- गोवा, मिजोरम, तमिलनाडु, दिल्ली, चण्डीगढ़, महाराष्ट्र, आदि में अधिक, जबकि हिमाचल प्रदेश, बिहार, असम, उड़ीसा आदि से कम)।

7. सर्वाधिक शहरी जनसंख्या वाला राज्य-
- महाराष्ट्र
- उत्तर प्रदेश
- तमिलनाडू
- पश्चिम बंगाल

8. सर्वाधिक शहरी जनसंख्या के प्रतिशत वाला राज्य-
- गोवा - 62.2%
- मिजोरम - 52.1%
- तमिनाडू - 48.4%
- केरल - 47.7%
- महाराष्ट्र - 45.2%

9. 2011 में भारतीय जनसंख्या- 37.71 करोड़ (31.2%)

10. 2030 तक भारत के शहरी जनसंख्या का 40% होने का अनुमान (UN)

भारत में नगरीकरण के सामाजिक प्रभाव

Social Impacts of Urbanization in India

1. महत्वाकांक्षा, व्यक्तिवादिता एवं प्रतिस्पर्द्धा में वृद्धि तथा नैतिकता का ह्रास
2. परिवार एवं विवाह संबंध में समानता व स्वतंत्रता का विकास, एकाकी परिवार का विकास एवं विवाह-विच्छेद में वृद्धि
3. महिलाओं की स्थिति में सुधार एवं पितृसत्तात्मकता कमजोर
4. जाति व्यवस्था का परम्परागत पक्ष कमजोर और जजमानी व्यवस्था लगभग कमजोर / समाप्त
5. प्रथा-परम्परा के महत्व में कमी, नगरीय जीवन शैली का प्रसार तथा मॉल संस्कृति का विकास
6. ग्रामीण सामाजिक जीवन में नगरीय जीवन शैली का प्रसार
7. रोजगार के अवसरों में वृद्धि एवं जीवन स्तर में सुधार

भारत में नगरीकरण की समस्याएँ

Problems of Urbanization in India

नगरीय संस्कृतिजनित समस्याएँ / सामाजिक समस्याएँ
Problems Caused by Urban Cultural / Social Problems

1. सांस्कृतिक विविधता से जुड़ी सामुदायिक एकता की समस्या
2. महत्वाकांक्षा एवं व्यक्तिवादिता में वृद्धि के कारण सामूहिकता का ह्रास तथा प्रतिस्पर्द्धा में वृद्धि से तनाव एवं कुंठा में वृद्धि
3. भावनाओं से रहित औपचारिक संबंधों पर आधारित नगरीय पड़ोस का विकास एवं एकाकीपन की समस्या
4. पारिवारिक संघर्ष / कलह, पारिवारिक विघटन एवं विवाह विच्छेद में वृद्धि
5. कामकाजी महिलाओं में भूमिका संघर्ष की समस्या तथा महिलाओं के विरूद्ध हिंसा के नए स्वरूपों का उद्भव
(जैसे– सार्वजनिक स्थलों पर छेड़-छाड़, कार्य स्थल पर यौन शोषण आदि)
6. यौन नैतिकता का ह्रास, वैश्यावृत्ति के नवीन स्वरूपों का उद्भव, अपराध, बाल अपराध व नशाखोरी जैसी समस्याओं का उद्भव

अति-नगरीकरणजनित समस्याएँ
Problems Caused by Over-urbanization

1. आवास की समस्या (1.87 करोड़ आवास की कमी तथा 32% लोग एक कमरे वाले घर में रहते हैं– अमिताभ कुंडु समिति की रिपोर्ट) तथा गंदी बस्ती की समस्या (10.36 करोड़ जनसंख्या गंदी बस्तियों में रहती हैं) तथा इसके परिणामस्वरूप उत्पन्न सामाजिक सांस्कृतिक समस्याएँ
2. सुरक्षित जल आपूर्ति की समस्या (केवल 30% के पास नल वाला पानी) एवं मल निकासी की समस्या (18.6 करोड़ के पास शौचालय नहीं तथा 13% के पास नहाने की सुविधा नहीं)
3. प्रभावी एवं पर्याप्त परिवहन की समस्या
4. पर्यावरण प्रदूषण की समस्या एवं सांस्कृतिक प्रदूषण (LIR, यौन संबंधों में खुलापन आदि) की समस्या
5. इलेकट्रॉनिक कचरे की समस्या
6. नगरीय बेरोजगारी, नगरीय गरीबी एवं जीवननिर्वाह नगरीकरण की समस्या
7. नगरीय भूमि की दुर्लभता एवं कृषि भूमि का अतिक्रमण जिससे खाद्यान्न उत्पादन से जुड़ी समस्या

भारत में नगरीकरण की समस्या के कारण
Causes of the Problem of Urbanization in India

1. उपभोक्तावादी संस्कृति का विकास एवं दिखावा में वृद्धि
2. व्यक्तिवादिता एवं तीव्र प्रतिस्पर्द्धा
3. जनसंख्या विस्फोट एवं ग्रामीण-नगरीय प्रवास फलतः अति-नगरीकरण
4. नगरीय क्षेत्र में नागरिक संस्कृति का अभाव
5. नगरीकरण पर राष्ट्रीय नीति का अभाव
6. राज्य के पास वित्त का अभाव
7. भ्रष्टाचार एवं विकास कार्यक्रमों का राजनीतिकरण

संभावित प्रश्न

- जनगणना द्वारा दी गयी नगरीय क्षेत्र की परिभाषा को स्पष्ट कीजिए। (UPSC – 1997, 2000, 2002)
- भारत के वृहद् नगरों का नाम बताए और उनकी विशिष्ट समस्याओं का विवरण दीजिए। (UPSC – 1999)
- भारत में राज्य के बीच नगरीकरण की स्थिति का परीक्षण करें और स्थानीय असमानता पर प्रकाश डाले। (UPSC –2009)
- भारत में तीव्र शहरीकरण की प्रक्रिया ने जिन सामाजिक समस्याओं को जन्म दिया है, उनकी विवेचना कीजिए। (UPSC – 2013)
- शहरीकरण से आप क्या समझते हैं? यह सामाजिक सांस्कृतिक जीवन को किस प्रकार प्रभावित करता है? भारत में कुछ प्रमुख नगरों का उदाहरण देते हुए उत्तर दीजिए?
- भारतीय नगरीकरण अति-नगरीकरण की स्थिति को परिलक्षित करता है। इससे उत्पन्न समस्याओं पर प्रकाश डाले और इन्हें दूर करने हेतु उपयुक्त उपाय सुझाएँ।
- जहाँ वैश्विक नगरीकरण स्वभाविक जनसंख्या वृद्धि का परिणाम है वहीं भारतीय नगरीकरण का एक प्रमुख घटक / कारक ग्रामीण - नगरीय प्रवास है, जिसने गाँव एवं शहर दोनों में दोहरे परिणामों को उत्पन्न किया है। चर्चा कीजिए।

Dr. S. S. Pandey

TOPIC

भारत में मॉल कल्चर

Mall Culture in India

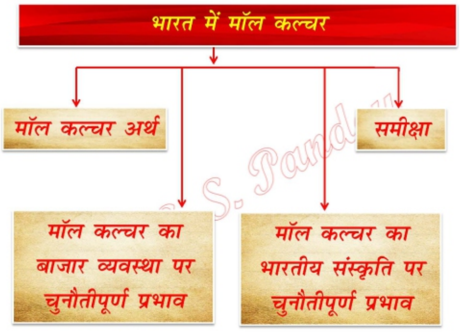

माल कल्चर का अर्थ

Meaning of Mall Culture

मुख्यतः पश्चिमी संस्कृति का अंधानुकरण, जिसमें मुख्य रूप से डिस्को, जीन्स-टॉप, बड़े ब्राण्ड की उपभोग वाली वस्तुओं आदि का, जीवन-शैली के रूप में प्रयोग शामिल है- को मॉल कल्चर की संज्ञा दी जाती है।

मॉल कल्चर का भारतीय बाजार व्यवस्था पर चुनौतीपूर्ण प्रभाव

Challenging Impact of Mall Culture on Indian Market System

1. केन्द्रीकृत, आरामदेह एवं सुविधाजनक बाजार व्यवस्था के कारण परंपरागत बाजार का अस्तित्व संकट में
2. बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा उत्पन्न प्रतिस्पर्द्धा के कारण परंपरागत व्यवसायों का ह्रास
3. अत्यधिक विज्ञापन के कारण ब्राण्ड के महत्व में वृद्धि फलतः वैश्विक उत्पादों की बिक्री और देशी उत्पाद उपेक्षित
4. नवीन आर्थिक नीति के तहत Single Brand Retail तथा Multi brand Retail में FDI में वृद्धि (क्रमशः 100% और 51%) फलतः परंपरागत बाजार का अस्तित्व संकट में

मॉल कल्चर का भारतीय संस्कृति पर चुनौतीपूर्ण प्रभाव

Challenging Impact of Mall Culture on Indian Culture

1. महत्वाकांक्षा में वृद्धि और पश्चिमी जीवन शैली को अपनाने की प्रवृत्ति तीव्र
2. कुर्त्ता-पायजामा और धोती-कुर्ता के जगह पश्चिमी परिधानों के प्रचलन में वृद्धि
3. अतिथियों के स्वागत में परंपरागत खाद्य पदार्थ की जगह पश्चिमी खाद्य पदार्थ जैसे- पिज्जा, बर्गर, साँफ्ट-ड्रिंक आदि के प्रचलन में वृद्धि

4. हिन्दी एवं अन्य देशी भाषाओं की जगह अंग्रेजी के प्रचलन में वृद्धि

5. दिखावापन में वृद्धि

6. भावनात्मक संबंध की जगह औपचारिक संबंधों की प्रधानता में वृद्धि

समीक्षा एवं निष्कर्ष

Review and Conclusion

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि–
मॉल कल्चर ने परंपरागत बाजार एवं परंपरागत संस्कृति दोनों के समक्ष चुनौती को उत्पन्न किया है परन्तु यहाँ उल्लेखनीय हैं कि इसका प्रभाव संक्रमणकालीन अवस्था का प्रभाव है, जो आधुनिकता एवं विकास के परिपक्व होने के साथ स्वतः समाप्त हो जाएगा।

यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि, जहाँ एक तरफ मॉल कल्चर ने परंपरागत बाजार को प्रतिस्पर्धा हेतु मजबूर करके उन्हें गुणवत्ता सुधार हेतु प्रेरित किया है और परंपरागत संस्कृति के साथ नवीन तत्वों को अपनाकर आधुनिक संदर्भ में अपनी प्रासंगिकता को बनाए रखने हेतु विवश किया है।

तो दूसरी तरफ इसका प्रभाव नगरीय जनसंख्या के एक सीमित भाग (उच्च वर्ग, उच्च मध्यम वर्ग एवं युवा वर्ग) पर ही है और आज भी बाकि नगरीय जनसंख्या और 68% ग्रामीण जनसंख्या परंपरागत संस्कृति एवं परंपरागत बाजार व्यवस्था से जुड़ी हुई है।

भारत में मॉल कल्चर : संभावित प्रश्न

- भारत में मॉल कल्चर ने न केवल परंपरागत बाजार व्यवस्था के समक्ष बल्कि परंपरागत संस्कृति के समक्ष भी चुनौती को उत्पन्न किया है। चर्चा कीजिए।

Dr. S. S. Pandey

TOPIC

भारत में नगरीकरण की समस्या समाधान के प्रयास

Efforts to Solve the Problem of Urbanization in India

प्रमुख मंत्रालय

1. शहरी विकास मंत्रालय (1952)
2. आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय (2006)
3. आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय (2019)
4. अन्य मंत्रालय

शहरी विकास से संबंधित प्रमुख एजेंसियाँ
Major Agencies Related to Urban Development

1. DDA (1955)
2. UDA (1957)
3. नगर नियोजन मंडल (1962)
4. NCR तथा NCR योजना बोर्ड (1985)
5. 74वां संविधान संशोधन द्वारा– नगरपालिका एवं नगर निगम का गठन

शहरी विकास से संबंधित प्रमुख संगठन
Major Organizations Related to Urban Development

1. 1954 में– राष्ट्रीय भवन संगठन
2. 1960 में– राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम
3. 1970 में– आवास एवं शहरी विकास निगम
4. 1988 में– राष्ट्रीय आवास बैंक
5. 1974 में– पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
6. 1983 में– राष्ट्रीय जल संसाधन परिषद्
7. 1990 में– राष्ट्रीय जल बोर्ड
8. 1997 में– शहरी यातायात संस्थान आदि

शहरी विकास से संबंधित प्रमुख अधिनियम
Major Acts Related to Urban Development

- 74th Amendment & Constitution,
- Street Vendor's Act, 2013

शहरी विकास से संबंधित प्रमुख कार्यक्रम
Major Programs Related to Urban Development

1. JNNURM योजना - 2005
2. AMRUT योजना - 25 जून 2015
3. Smart City Mission - 25 जून 2015
4. राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन - 23 सितम्बर, 2013 (दीन दयाल अंत्योदय योजना)
5. प्रधान मंत्री आवास योजना - 25 जून, 2015
6. स्वच्छ भारत अभियान - 2014
7. हृदय योजना - 21 जनवरी, 2015
8. PURA - 2003
9. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रर्वन मिशन - 16 सितम्बर, 2015

शहरी विकास से संबंधित कुछ अन्य योजनाएँ
Some Other Schemes Related to Urban Development

1. NCR विस्तार योजना
2. सात बड़े शहरों के Satellite Town शहरी अवस्थापन योजना, 2013
3. सांसद आदर्श ग्राम योजना

Dr. S. S. Pandey

Street Vendors Act - 2013

स्ट्रीट वेंडर्स का अर्थ

Meaning of Street Vendors

नगर एवं नगर के बाहर के वे लोग, जो नगर के सार्वजनिक स्थलों पर बिना किसी पूर्व अनुमति के एवं अनियोजित तरीके से निम्न स्तरीय दुकानों को संचालित करते हैं या घूम-घूम कर वस्तुओं को बेचते हैं, स्ट्रीट वेंडर्स (Street Vendors) कहलाते हैं।

भारत में स्ट्रीट वेंडर्स की स्वरूप

Forms of Street Vendors in India

शहरी विकास एवं गरीबी उपशमन मंत्रालय के अनुसार भारत में 1 करोड़ स्ट्रीट वेंडर्स हैं (मुम्बई – 2.80 लाख, दिल्ली-2.50 लाख, कलकत्ता – 1.50 लाख)

भारत में स्ट्रीट वेंडर्स के सीमांतीकरण का प्रकृति

Nature of Marginalization of Street Vendors in India

1. शहरी अर्थव्यवस्था में इनके महत्व को अस्वीकृति
2. शहरों में उनकी अवैधानिक पहचान
3. पुलिस वालों, नगर निगम अधिकारियों आदि द्वारा उनका शोषण
4. मॉल कल्चर के कारण उनके व्यवसाय पर नकारात्मक प्रभाव

भारत में स्ट्रीट वेंडर्स के सीमांतीकरण का कारण

Causes of Marginalization of Street Vendors in India

1. मॉल कल्चर को बढ़ावा
2. नवीन नगरीय योजनाओं द्वारा इनका विस्थापन
3. पुलिस प्रशासन द्वारा इनका शोषण
4. इनके लिए सुरक्षा तंत्र का अभाव
5. इनमें संगठन का अभाव

भारत में स्ट्रीट वेंडर्स के कल्याण हेतु किए गए प्रयास

Efforts Made for the Welfare of Street Vendors in India

1. स्ट्रीट वेंडर्स पर राष्ट्रीय नीति, 2009 का निर्माण
2. स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट, 2013 का निर्माण
3. प्रधान मंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि– 1 जून, 2020

स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट, 2013 के प्रमुख प्रावधान

Major Provisions of Street Vendors Act, 2013

1. टाउन वेंडिंग कमेटी (Town Vending Committee - TVC) के गठन का प्रावधान- जो इनकी सुरक्षा पर विचार करेगा। इनमें 40% वेंडर्स का प्रतिनिधित्व होगा तथा इनकी 1/3 सदस्य महिलाएँ होंगी
2. संबंधित TVC में 14 वर्ष के ऊपर किसी भी व्यक्ति द्वारा पंजीकरण का प्रावधान
3. स्ट्रीट वेंडर्स के लिए शहर में जगह-जगह स्ट्रीट वेंडर्स जोन (Street Vendors Zone - SVZ) बनाने का प्रावधान
4. पुलिस प्रताड़ना से बचाव हेतु विशेष सुरक्षा तंत्र का प्रावधान
5. इनके झगड़े के निपटारा हेतु 'स्ट्रीट वेंडर्स स्पेशल कमेटी' (Street Vendors Special Committee) की स्थापना का प्रावधान
6. इस संदर्भ में नीति निर्माण हेतु पुरुष तथा महिला प्रतिनिधि के सहभागिता का प्रावधान

KGS IAS KHAN SIR Most Trusted Learning Platform
Dr. S. S. Pandey

स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट का लाभ / उपयोगिता

Benefits of Street Vendors Act

1. स्ट्रीट वेंडर्स (Street Vendors) को सुरक्षा प्रदान करने में सहायक
2. पुलिस एवं प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रताड़ना पर रोक
3. इनके लिए रोजगार की निश्चितता
4. भारतीय अर्थव्यवस्था / नगरीय अर्थव्यवस्था में इनके महत्व को स्वीकृति
5. इनमें संगठन के विकास में सहायक
6. नगर के निम्नवर्गीय तथा निम्न मध्यमवर्गीय लोगों के लिए लाभकारी

समीक्षा एवं निष्कर्ष

Evaluation and Conclusion

स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट, 2013 निश्चित रूप से स्ट्रीट वेंडर्स की समस्या के समाधान तथा नगरीय विकास की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है

परन्तु यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि इस एक्ट के माध्यम से स्ट्रीट वेंडर्स की समस्या का निदान, इस बात पर निर्भर करता है कि इसे किस प्रकार एवं कितनी इच्छाशक्ति से लागू किया जाता है

भ्रष्टाचार उन्मूलन, राजनीतिक इच्छाशक्ति की विद्यमानता तथा RTI को सफल बनाकर ही, इस अधिनियम के लाभों को समुचित रूप से प्राप्त किया जा सकता है

संभावित प्रश्न

- स्ट्रीट वेंडर्स से क्या तात्पर्य है? स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट के प्रमुख प्रावधानों की चर्चा कीजिए। यह अधिनियम स्ट्रीट वेंडर्स के समस्या समाधान हेतु कहाँ तक उपयुक्त है? उत्तर दीजिए।

- नगरीय अर्थव्यवस्था के प्रमुख अंग के रूप में स्ट्रीट वेंडर्स के सीमांतीकरण के स्वरूपों एवं कारणों की चर्चा कीजिए और सरकार द्वारा इनकी सुरक्षा हेतु किए गए प्रयासों की समीक्षा कीजिए।

Dr. S. S. Pandey

TOPIC

जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन

Jawaharlal Nehru National Urban Renewal Mission

जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन (JNNURM)

- परिचय
- उद्देश्य
- प्रमुख लक्षण/प्रावधान
- सुझाव

परिचय

Introduction

2005 में प्रारंभ, 2014 तक विस्तारित,

2014 में पुनः विस्तारित

उद्देश्य

Objective

चुनिंदा शहरों का नियोजित विकास करना

प्रमुख लक्षण / प्रावधान

Key Features / Provisions

1. संरचनात्मक सेवाओं का एकीकृत विकास पर बल
2. पुराने नगरीय क्षेत्रों के नवीकरण पर विशेष बल
3. शहरी संरचनात्मक सेवाओं को उपलब्ध कराने हेतु प्रर्याप्त धन / वित्त के निर्माण पर बल

4. परिसंपत्ति के निर्माण एवं परिसंपत्ति प्रबंधन के मध्य समुचित संबंध एवं समन्वय पर बल ताकि शहरी विकास से संबंधित योजनाओं को दीर्घकाल तक चलाया जा सके
5. शहरी सीमा से बाहरी क्षेत्र, शहरी गलियारों तथा कुछ चुनिंदा शहरों का नियोजित विकास पर बल

6. नगरीय गरीबों के लिए नगरीय सेवाओं की आपूर्ति एवं गुणवत्ता को बढ़ाना
7. वहनीय मूल्य पर पट्टे की भूमि, विकसित आवास, जलापूर्ति सहित अन्य सुविधाएँ प्रदान करना

उपरोक्त उद्देश्यों / प्रावधानों को पूरा करने के लिए इस मिशन के तहत दो उपमिशन क्रियाशील है–

1. शहरी संरचना एवं शासन हेतु उपमिशन
2. शहरी गरीबों को बुनियादी सेवाओं हेतु उपमिशन

Dr. S. S. Pandey
KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR